रेलवे बजट 2008-09 की प्रमुख विशेषताएं

2007-08: कार्य निष्पादन और संशोधित अनुमानों की समीक्षा

- वर्ष के पहले नौ महीनों में यातायात से होने वाली आय दो अंकों में बनी रही.
- यात्री आय में 14% की वृद्धि. प्रारंभिक यात्रियों की संख्या में 5.6% की वृद्धि जो बजट वृद्धि से अधिक है.
- वर्ष के पहले नौ महीनों में इंक्रीमेंटल लदान 43 मिलियन टन था जिसके वर्ष के अंत तक 62 मिलियन टन हो जाने की संभावना.
- लदान के लिए संशोधित लक्ष्य 790 मिलियन टन. माल आमदनी में संभावित वृद्धि 14%.
- संशोधित अनुमान में माल आय, यात्री आय, फुटकर आय और अन्य कोचिंग आय क्रमश: 47,743 करोड़ रु., 20,075 करोड़ रु., 2,637 करोड़ रु. और 2,200 करोड़ रु. होने की संभावना.
- सकल यातायात राजस्व 72,755 करोड़ - पिछले वर्ष से 16% अधिक और बजट अनुमानों की तुलना में 2% अधिक.
- साधारण संचालन व्यय में 966 करोड़ रु. की बचत.
- परिचालन अनुपात में बजट के 79.6% की तुलना में सुधरकर 76.3% होने की संभावना जो पिछले 4 दशक का सर्वोत्तम है.
- पूंजी पर प्रतिफल का प्रतिशत 21% जो अब तक का सर्वाधिक है.
- लाभांश पूर्व कैश सरप्लस 25,000 करोड़ रु. होने की संभावना
- शुद्ध राजस्व 18,416 करोड़ रु. होने और लाभांश का भुगतान करने के बाद शुद्ध सरप्लस 13,534 करोड़ रु. होने की संभावना.
- रेलवे का फंड बैलेंस वर्ष के अंत तक 20,483 करोड़ रु. होने की संभावना - जो बजट लक्ष्य की तुलना में 27% अधिक होगा.

2008-09

यात्री व्यवसाय में किये जाने वाले उपाय

टिकट-प्रणाली में सुधार

- टिकट काउंटरों पर लगने वाली कतारों को 2 वर्ष में समाप्त करने का लक्ष्य-
  - आगामी दो वर्षों में यूटीएस काउंटरों की संख्या को बढ़ाकर 15000 करना और एटीवीएम की संख्या को बढ़ाकर 6000 करना .
  - मोबाइल फोन पर टिकट की बुकिंग.
  - जनसाधारण टिकट बुकिंग सेवा का विस्तार.
  - प्रतीक्षा सूची पर दर्ज यात्रियों के लिए ई टिकट.
- मुंबई उपनगरीय गाड़ियों में "गो मुंबई कार्ड " पर टिकट.

यात्री सुविधाएं

- ऑन लाइन कोच इंडीकेशन डिस्पले बोर्ड की व्यवस्था. बोर्ड पर ऑन लाइन आगमन-प्रस्थान गाड़ी की सूचना, ऑन लाइन आरक्षण उपलब्धता सूचना बोर्ड
- 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 4000 करोड़ रु. की लागत से सभी 36000 सवारी डिब्बों में डिस्चार्ज फ्री पर्यावरण अनुकूल शौचालय.
- आगामी कुछ वर्षों में सभी राजधानी और शताब्दी गाड़ियों के लिए एलएचबी डिजाइन वाले सवारी डिब्बे.
- मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों में स्टेनलेस स्टील बोगी वाले एलएचबी सवारी डिब्बों की व्यवस्था.

- साफ-सफाई पर विशेष ध्यान - सवारी गाड़ियों में यात्रा के दौरान भी सफाई की व्यवस्था.
- चुनिंदा मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों के सवारी डिब्बों में जन उद्घोषणा प्रणाली का विस्तार.
- अनेक प्लेटफार्मों की ऊचाई में वृध्दि.
- सभी डी कोटि के स्टेशनों के प्लेटफार्म पर शेल्टर की व्यवस्था.
- ऊंचे स्तर के प्लेटफार्मों पर उपरी पैदल पुल की व्यवस्था.
- 30 और प्लेटफार्मों की लंबाई बढ़ाई जाएगी.
- प्रमुख स्टेशनों पर मल्टी लेवल पार्किंग, लिफ्ट और स्वचालित सीढ़ियों की व्यवस्था.

रियायतें

- वरिष्ठ महिला नागरिकों को मौजूदा 30% रियायत को बढ़ाकर 50% किया गया.
- कन्या विद्यार्थियों के लिए 12वीं कक्षा के बदले स्नातक स्तर तक और बालक विद्यार्थियों के लिए 10वीं कक्षा के बदले 12वीं कक्षा तक नि:शुल्क मासिक सीजन टिकट.
- अशोक चक्र पुरस्कार प्राप्त करने वालों को भी उन्हें जारी किए जाने वाले कार्ड पासों पर राजधानी और शताब्दी गाड़ियों में यात्रा की सुविधा.
- एड्स के रोगियों को इलाज के लिए मनोनीत ए आर टी केन्द्रों तक यात्रा करने के लिए दूसरे दर्जे के यात्री किराये में 50% तक की छूट.

माल व्यवसाय के लिए उपाय

- 2008-09 में लदान का लक्ष्य 850 मिलियन टन रखा गया जो लगातार चौथे वर्ष 60 मिलियन टन से अधिक की वृध्दि दर्शाता है.
- **उच्च घनत्व नेटवर्क के लिए खाका तैयार किया गया:** क्षमता बढ़ाने के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई की जायेगी जिसमें आगामी 7 वर्षों में 75000 करोड़ रुपये से समर्पित माल भाड़ा गलियारे, दोहरीकरण, तीसरी और चौथी लाइनों, बाईपास, फ्लाईओवरों, स्वचालित सिगनलिंग निर्माण आदि के कार्य शामिल हैं .
- **कोयला मार्ग :** अधिकांश मार्गों को 25 टन धुरा भार वाली गाड़िया चलाने के लिए तैयार किया जाएगा. महत्वपूर्ण कोयला लाइनों पर थ्रूपुट बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा-अनेक नए निर्माण कार्यों का प्रस्ताव.
- **पोर्ट यातायात - मिशन 300 मिलियन टन :** पोर्ट रेल कंनेक्टिवटी परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी.
- **इस्पात उद्योग - मिशन 200 मिलियन टन :** 2011-12 तक 200 मिलियन टन यातायात का लक्ष्य, 25 टन से 30 टन धुरा भार वाली गाड़ियों के लिए नए समर्पित लौह-अयस्क मार्गों को अपग्रेड किया जाएगा अथवा उनका निर्माण किया जाएगा. लाइनों का दोहरीकरण और तिहरीकरण वाले कार्यो के द्वारा थ्रूपूट में वृध्दि की जाएगी.
- **सीमेंट उद्योग - मिशन 200 मिलियन टन:** 2011-12 तक यातायात का लक्ष्य 200 मिलियन टन. विभिन्न क्षेत्रों में स्थित सीमेंट फैक्टरियों को सेवित करने वाली लाइनों का आमान परिवर्तन और विस्तार के कार्य द्वारा थ्रूपूट में वृध्दि की जाएगी.
- **कंटेनर व्यवसाय-मिशन 100 मिलियन टन:** कॉनकोर और अन्य परिचालकों द्वारा कंटेनर चल स्टॉक और आई सी डी में बढ़े हुए निवेश की संभावना.
- **समर्पित मालभाड़ा गलियारा :** लुधियाना से दानकुनी (कोलकाता) तक पूर्वी माल गलियारे और दिल्ली से जवाहर लाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट तक पश्चिमी माल गलियारे का कार्य 2008-09 में शुरू किया जाएगा.
- **चल स्टॉक की खरीद :** 2008-09 में अब तक की सर्वाधिक संख्या में 20,000 माल डिब्बे, 250 डीजल और 220 बिजली रेल इंजन निर्मित किए जाएंगे.
- नए डिजाइन के **उच्च क्षमता** वाले माल डिब्बों का उत्पादन किया जाएगा.
- प्रणाली में मालडिब्बों की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए नई **वैगन लीजिंग नीति** और नई **वैगन निवेश योजना** को तैयार किया गया.
- **थोक और गैर-थोक माल टर्मिनलों** के विकास के लिए रियायतें.

- **द्वार से द्वार तक माल पहुंचाने की सेवा** में रेलवे अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी.
- सर्वोच्च स्तर पर एक शक्ति संपन्न **स्ट्रैटिजिक बिजनेस यूनिट** की स्थापना की जाएगी-बढ़ते हुए व्यावसायिक अवसरों और ग्राहकों को सेवा उपलब्ध कराने के लिए एकल खिड़की प्रणाली की व्यवस्था .

रेलवे के नए स्वरूप की योजना

- रेलवे द्वारा आगामी 17 वर्षों के लिए एक **विजन 2025** दस्तावेज तैयार किया जाएगा जिसमें ग्राहक केन्द्रित और बाजार के अनुसार निर्धारित किए जाने वाले नीतिपरक उपायों और कार्रवाई योजना का उल्लेख होगा.
- **सूचना प्रौद्योगिकी विज़न 2012** - परिचालनिक कुशलता में सुधार, कामकाज में पारदर्शिता और ग्राहकों के लिए बेहतर सुविधाओं को फोकस में रखते हुए एक सर्वसामान्य प्लेटफार्म पर सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों के सीमलैस इंटीग्रेशन के जरिये तकनीक और प्रक्रियाओं में आमूल-चूल परिवर्तन
- सर्वोच्च स्तर पर बहुविभागीय **इन्नोवेशन प्रोमोशन ग्रुप** की स्थापना.

अन्य उपाय

- विश्व स्तर के स्टेशनों का विकास करने, चल स्टाक का उत्पादन, कंटनेर गाड़ियों चलाने, मल्टीमोडल लॉजिस्टिक पार्कों का विकास करने के लिए अगले पाँच वर्षों के दौरान 1,00,000 करोड़ रु. का निवेश आकर्षित करने के लिए **सार्वजनिक निजी भागीदारी** योजनाओं को शुरू किया जाएगा.
- रेल भूमि विकास प्राधिकरण द्वारा रेलवे की भूमि का वाणिज्यिक उपयोग किया जाएगा ताकि रेलवे के राजस्व में और वृद्धि हो सके.

रेल सुरक्षा

- सिपाहियों के 5700 खाली पदों और उपनिरीक्षकों के 993 खाली पदों को भरा जाएगा. उक्त रिक्तियों में सिपाहियों के 5% तथा उपनिरीक्षकों के 10% पद महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगे.
- 973 अतिरिक्त पदों का सृजन किया गया.
- सीसीटीवी, मेटल डिटेक्टर, बैगेज स्क्रीनिंग प्रणाली, विस्फोटकों का पता लगाना और उन्हें नकारा करना आदि जैसे उपायों से रेलवे की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए एक एकीकृत सुरक्षा योजना तैयार की गई.

रेल संरक्षा

- सकल यातायात की मात्रा में पर्याप्त वद्धि होने के बावजूद रेल दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय रूप से कमी आई है.
- संरक्षा में पर्याप्त निवेश किया जा रहा है. रेल संरक्षा को मजबूत करने के लिए एक बहुआयामी नीति शुरू की जाएगी जिसके जरिए टक्कर रोधी उपकरण एकाउस्टिक बियरिंग डिटेक्टर्स, ईओटीटी डिवाइस, डिजिटल अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्टिंग मशीनों जैसे स्वचालित उपकरण लगाए जाएंगे.
- सवारी डिब्बों में अग्निरोधी सामग्री का इस्तेमाल किया जाएगा.
- रेलवे की पहल पर और अधिक ऊपरी/निचले पैदल पुलों का निर्माण किया जाएगा.
- ऊपरी/निचले पैदल पुलों के निर्माण के लिए सार्वजनिक एवं निजी भागीदारी की पहल की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा.
- व्यस्त खंडों पर सभी बिना चौकीदार वाले समपारों पर तेजी से चौकीदारों की व्यवस्था की जाएगी.

सामाजिक कल्याण

- एकबारगी उपाय के रूप में **स्टेशनों पर कार्य करने वाले कुलियों** की विधिवत जांच करने के बाद गैंगमैन और अन्य ग्रुप 'घ' पदों पर नियुक्ति.
- एक पायलट योजना के आधार पर माँ और बच्वें को चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने के लिए राजीव गाँधी फाउंडेशन के सहयोग से रियायती किरायों पर एक **मदर-चाइल्ड हेल्थ एक्सप्रेस** गाड़ी चलाई जाएगी.

विशेष भर्ती अभियान

- वर्ष 2004 से प्रारंभ किए गए विशेष अभियान के द्वारा अ.जा./अ.ज.जा. के लिए 99% चिन्हित बकाया रिक्तियों को भर दिया गया है.
- ग्रुप 'घ' की भर्तियों में अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. से उम्मीदवारों की भर्ती उनके संबंधित कोटे को पार कर गई है.
- अल्पसंख्यक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए रेलवे बोर्ड और क्षेत्रीय रेलों में अल्पसंख्यक कल्याण कक्ष खोले जा रहे हैं.
- उन राज्यों में, जहां उर्दू दूसरी सरकारी भाषा है, ग्रुप 'घ' पदों की परीक्षाओं में उर्दू को भी एक परीक्षा भाषा माध्यम रखा जा रहा है.

कर्मचारी कल्याण

- कर्मचारी हित निधि में प्रति व्यक्ति अंशदान को दस गुणा बढ़ाकर कर 35 से 350 कर दिया गया है.
- जिन कर्मचारियों ने सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम, स्वतंत्र इकाई अथवा राज्य सरकार या केंद्र सरकार के अंतर्गत किसी एजेंसी में सेवा की हो और उनकी पिछली सेवा को पेंशन संबंधी लाभों के लिए गिना गया हो, अब उनकी सेवा अवधि की गणना निर्धारित किए जा रहे मापदंडों के अनुसार सेवानिवृत्ति उपरांत मिलने वाले मानार्थ पास के लिए भी की जाएगी.
- स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के लिए 101 करोड़ रु. की लागत पर 13 नए कार्यों की स्वीकृति दी गई है.
- दिल्ली के उत्तर रेलवे केंद्रीय अस्पताल को पूरी तरह वातानुकूलित किया जाएगा.
- जयपुर और हुबली में 2 मंडल अस्पतालों को केंद्रीय अस्पताल के रूप में अपग्रेड किया जाएगा.
- रांची में एक नया मंडल अस्पताल और सवारी डिब्बा कारखाना में ओपीडी ब्लाकों का निर्माण किया जाएगा.

यात्री सेवाएं

- 10 नई गरीब रथ गाड़ियां शुरू की जाएंगी।
- नई गाड़ियां : 53 जोड़ी
- गाड़ियों के चालन-क्षेत्र में बढ़ोतरी : 16 जोड़ी
- गाड़ियों के फेरों में वृद्धि : 11 जोड़ी
- श्री गुरू ग्रंथ साहिब गुरता गद्दी के त्रिशताब्दी समारोह के दौरान आनंदपुर साहिब और पटना साहिब से गुरूद्वारा सचखंड साहिब तक विशेष रेलगाड़ी
- 12 अक्टूबर से 18 अक्टूबर 2008 तक पुणे में राष्ट्रमंडल युवा खेलों के आयोजन के लिए पुणे तथा दिल्ली के बीच विशेष गाड़ियां
- मुंबई उपनगर 300 अतिरिक्त सेवाएं

वार्षिक योजना 2008-09

- लगभग 37,500 करोड़ रु. की वार्षिक योजना में, जो अब तक की सबसे बड़ी वार्षिक योजना है, निम्नलिखित शामिल हैं:
    - सामान्य राजस्व से 7,874 करोड़ रु. की सहायता
    - 21,126 करोड़ रु. का आंतरिक सृजन
    - 8,500 करोड़ रु. का बजटेतर संसाधन
- यातायात में वृद्धि को संभालने के लिए उच्च घनत्व नेटवर्क वाले मार्गों का थ्रूपूट संवर्द्धन, यातायात सुविधा एवं नेटवर्क में सुधार और विस्तार तथा पुलों, बाईपासों, आईबीएस का निर्माण, गुड्स शेडों के अपग्रेडेशन पर बल दिया जाएगा.
- योजना शीर्षों पर परिव्यय : नई लाइनें 1,730 करोड़ रु., आमान परिवर्तन 2,489 करोड़ रु., विद्युतीकरण 626 करोड़ रु., महानगर परिवहन परियोजनाएं 650 करोड़ रु.
- संरक्षा संबंधी योजना शीर्ष पर परिव्यय: रेलपथ नवीकरण 3,600 करोड़ रु., पुल 600 करोड़ रु., सिगनल एवं दूरसंचार कार्य 1,520 करोड़ रु., सड़क ऊपरी/निचले पुल 700 करोड़ रु. और बिना चौकीदार वाले समपारों पर चौकीदार तैनात करने पर 600 करोड़ रु.

- चल स्टॉक के लिए परिव्यय: अब तक का सर्वाधिक 11,045 करोड़ रुपये
- यात्री सुविधाओं के लिए परिव्यय: 852 करोड़ रुपये, अब तक का सर्वाधिक
- महत्वपूर्ण लक्ष्य: नई लाइन 350 कि.मी., आमान परिवर्तन 2150 कि.मी., दोहरीकरण 1000 किमी.
- राष्ट्रीय परियोजनाएं : वर्ष के दौरान कार्य की वास्तविक प्रगति के आधार पर वित्त मंत्रालय द्वारा निधियां मुहैया कराई जाती हैं. वित्त मंत्रालय से 1,712 करोड़ रु. की मांग की गई है.
- राष्ट्रीय परियोजनाओं की संख्या 4 से बढ़ाकर 8 कर दी गई है.
- 5000 करोड़ रुपये की लागत पर मुंबई शहरी परिवहन परियोजना, चरण II को शुरू किया जाएगा जिसका वित्तपोषण रेलवे और महाराष्ट्र सरकार द्वारा संयुक्त रूप से बहुपक्षीय निधियों के साथ किया जाएगा.

अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं

- भारतीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण अधिनियम की तर्ज पर महत्त्वपूर्ण रेल परियोजनाओं के लिए भूमि के शीघ्र अधिग्रहण हेतु "भूमि अधिग्रहण अध्यादेश" के लिए अधिनियम पारित किया जाएगा.
- औरंगाबाद के नबीनगर जिला, बिहार में 1000 मेगावाट थर्मलपावर प्लांट को स्थापित करने के लिए एनटीपीसी के साथ एक संयुक्त उपक्रम के रूप में इंडियन रेल बिजली कंपनी लि. की स्थापना.
- केरल में एक नई रेल कोच फैक्टरी की स्थापना की जाएगी.
- छपरा जिले में गरखा में एक नई माल डिब्बा पुनर्निर्माण इकाई की स्थापना की जाएगी.
- जमालपुर कारखाने का विकास और आधुनिकीकरण.
- लिलुआ कारखाना, पेरंबुर लोको वर्कशाप और अजमेर लोको वर्कशाप का आधुनिकीकरण.
- रेलवे द्वारा मोकामा और मुजफ्फरपुर वैगन फैक्टरियों का अधिग्रहण.

2008-09 के बजट अनुमान

- माल की ढुलाई का लक्ष्य 850 मिलियन टन, मालभाड़ा निष्पादन 550 बिलियन टन किमी.
- माल, यात्री, अन्य कोचिंग और फुटकर आमदनियों से रेलवे के राजस्व हेतु क्रमश: 52,700 करोड़ रु. 21,681 करोड़ रु., 2420 करोड़ रु. और 5,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य.
- सकल यातायात प्राप्तियां 81,901 करोड़ रु. जो संशोधित अनुमान से 12.6 % अधिक हैं.
- साधारण संचालन व्यय 50,000 करोड़ रु. होने की संभावना.
- छठें केंद्रीय वेतन आयोग की प्रत्याशित सिफारिशों के लिए लगभग 5,000 करोड़ रु. की तदर्थ व्यवस्था करने के बाद रेलवे का लाभांश पूर्व रोकड़ अधिशेष 24,783 करोड़ रु. होने की संभावना.
- केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के लिए तदर्थ व्यवस्था के प्रभाव के बावजूद 2008-09 में परिचालन अनुपात 81.4 % रहने की संभावना.

माल दरों और यात्री किरायों से संबंधित प्रस्ताव

यात्री सेवाएं

- यात्री किरायों में कमी:
    - अनुपनगरीय द्वितीय श्रेणी (साधारण और मेल/एक्सप्रेस) में 50 रुपये तक के किरायों में प्रति यात्री एक रुपये की छूट
    - सभी अनुपनगरीय द्वितीय श्रेणी (साधारण और मेल/एक्सप्रेस) में 50 रुपये से अधिक यात्री किरायों में सामान्य रूप से 5% की छूट
    - उच्च क्षमता वाले नए डिजाइन के आरक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा के लिए छूट में बढ़ोतरी.
- वातानुकूल श्रेणी के किरायों को युक्तिसंगत बनाने की प्रक्रिया पूरी.

- वातानुकूल प्रथम श्रेणी के किरायों के लिए रिलेटीविटी इंडेक्स को 1150 से घटाकर 1000 और वातानुकूल द्वितीय श्रेणी के लिए 650 से घटाकर 600 किया गया. किरायों में इस प्रकार कमी आएगी:
    - वातानुकूल प्रथम श्रेणी 7%
    - वातानुकूल द्वितीय श्रेणी 4%
    - लोकप्रिय गाड़ियों और व्यस्त अवधि के दौरान उपर्युक्त कटौती आधी रहेगी जैसा कि पिछले वर्ष भी था.

माल सेवाएं

- भाड़ा दरों में सामान्य रूप से कोई बढ़ोतरी नहीं.
- भाड़ों को युक्तिसंगत बनाने की प्रक्रिया का समापन करने के लिए उच्चतम श्रेणी को 210 से घटाकर 200 किया गया है.
- डीजल और पेट्रोल की भाड़ा दरों में 5% की कमी.
- फ्लाई ऐश के वर्गीकरण को 140 से घटाकर 120 किया गया है; भाड़ा दर में 14% की कमी.
- पारम्पिरक एम्प्टी फ्लो डायरेक्शन इंसेटिव योजना का उदारीकरण
    - माल शेड से बुक किए गए इंक्रीमेंटल यातायात के स्थान पर पूरे यातायात पर 30% की छूट
    - कुछ वस्तुओं को छोड़ा गया है
    - निजी साइडिंग से बुक किए जाने वाले इंक्रीमेंटल यातायात पर छूट को 30% से बढ़ाकर 40% किया गया है.
- सभी गैर-वर्गीकृत वस्तुओं के लिए उच्चतम श्रेणी की बजाय एक संयुक्त आधार भाड़ा दर लागू होगी:

टंकी मालडिब्बे	श्रेणी 200
सपाट मालडिब्बे	श्रेणी 180
खुले (हॉपर सहित) मालडिब्बे	श्रेणी 160
बंद मालडिब्बे	श्रेणी 150

- अन्य राज्यों से पूर्वोत्तर राज्यों में स्थित स्टेशनों के लिए बुक किए जाने वाले यातायात पर भाड़ा दर में 6% की छूट.
- उन ग्राहकों के लिए जो दोनों छोर पर रेलपथ, ओवरहेड इक्विपमेंट्स और टर्मिनल उपलब्ध कराएंगे, मेरी-गो-राउंड (एमजीआर) सेवाओं हेतु विशेष एकमुश्त दरें.